राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उत्तराखण्ड, देहरादून

विद्यालयी शिक्षा को अकादमिक अनुसमर्थन प्रदान करने हेतु राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा प्रत्येक वर्ष विविध शैक्षिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। वर्ष 2015–16 में परिषद ने नियमित कार्यक्रमों के अतिरिक्त अन्य शैक्षिक गतिविधियाँ आयोजित की हैं, जिनसे विद्यालयी शिक्षा में अध्ययनरत बच्चे व शिक्षक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हो रहे हैं।

(1) साहित्य विकासः

- राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के अन्तर्गत नवनियुक्त सेवारत शिक्षकों के आई.सी.टी. आधारित विज्ञान, गणित एवं अंग्रेजी में प्रशिक्षण हेतु मॉड्यूल सम्प्रेषण का विकास एवं प्रकाशन।
- राज्य में सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन पद्धति लागू करने हेतु प्रपत्रों एवं निर्देशों को तैयार करना।
- अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों हेतु चयनित प्राथमिक शिक्षकों के अंग्रेजी माध्यम से शिक्षण हेतु प्रशिक्षण साहित्य का विकास।
- अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों हेतु अंग्रेजी माध्यम से शिक्षण कार्य हेतु कक्षा 3,4 एवं 5 की पाठ्य पुस्तकों का अंग्रेजी में अनुवाद।
- सड़क सुरक्षा सम्बन्धी स्व अधिगम सामग्री को कक्षा 6 से 8 की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में समाहित किया गया।
- कक्षा 1 से 8 तक की पाठ्यचर्या की समीक्षा।
- कक्षा 1 से 8 तक की निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों की प्रूफ रीडिंग एवं संशोधन।
- डायट के संकाय सदस्यों की विजनिंग हेतु माड्यूल निर्माण।
- द्विवर्षीय डी.एल.एड. पाठ्यचर्या–2014 का परिशोधन।
- विशेष सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण (बी.एड. टी.ई.टी.) प्रशिक्षुओं हेतु कला एवं शिल्प की विषय वस्तु का निर्माण।
- उच्च संदर्भित ''बाल प्रेरणा गीत'' एवं "Early Readers" की समीक्षा।
- राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा विकसित गणित एवं विज्ञान के रीडिंग कार्डस का परीक्षण।

- सर्व शिक्षा अभियान के सहयोग से कक्षा 1 से 8 हेतु सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण मॉड्यूल निर्माण –
  - कक्षा 1–2 प्रारम्भिक साक्षरता, प्रारम्भिक गणित एवं स्वच्छता
  - कक्षा 3–5 गणित, परिवेशीय अध्ययन एवं स्वच्छता
  - कक्षा 6–8 गणित एवं स्वच्छता
  - कक्षा 6–8 विज्ञान एवं स्वच्छता

(2) नवाचारः

- राज्य के प्रत्येक विकास खण्ड में 5–5 आदर्श विद्यालयों की स्थापना हेतु प्रस्ताव एवं ड्राफ्ट तैयार किया गया।

- दिनाँक 30 अक्तूबर 2015 को भारत सरकार के पोर्टल पर नई शिक्षा नीति पर राज्य स्तर के सुझावों को अपलोड किया गया।

(3) आयोजनः

(क) विज्ञान महोत्सव 2015 :

विज्ञान महोत्सव–विज्ञान प्रदर्शनी, विज्ञान मेला और विज्ञान ड्रामा गतिविधियों का समन्वित कार्यक्रम है। विज्ञान महोत्सव के माध्यम से विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी के क्षेत्र में हो रहे नवीन अनुसंधानों, परिवर्तनशील विचारों एवं परिष्कृत ज्ञान की सामाजिक उपयोगिता से राज्य के उभरते बाल वैज्ञानिकों को परिचित कराने का प्रयास किया जाता है। विज्ञान महोत्सव राज्य के उभरते बाल वैज्ञानिकों का अपना मंच है, जिसका उपयोग छात्र अपनी कल्पनाशीलता, सृजनशीलता, कर्मकौशल, नवाचार आदि को प्रदर्शित करने में करते हैं। जीवन की गुणवत्ता में वैज्ञानिक सोच एवं जागरूकता विशेष स्थान रखती है। वैज्ञानिक सोच एवं उपागम से परिपूर्ण बच्चे, युवा पीढ़ी तथा आमजन सुदृढ़ एवं उन्नत राष्ट्र की आधारशिला होते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि विज्ञान एवं देशज प्रौद्योगिकी की गंगा पगडन्डियों से होकर गाँव–गाँव तक बहे। इसी परिप्रेक्ष्य में राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उत्तराखण्ड प्रतिवर्ष विज्ञान महोत्सव का आयोजन करता है। यह कार्यक्रम/आयोजन छात्र/छात्राओं एवं शिक्षकों को एक दूसरे के अनुभवों द्वारा सीखने में सहायता करेगा और कुछ नवीन एवं अनूठा करने को अभिप्रेरित करेगा। यह विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए माध्यम तो उपलब्ध करायेगा ही साथ ही साथ जन साधारण में विज्ञान के प्रति आस्था एवं जागरूकता भी उत्पन्न करेगा।

• **आयोजन तिथि** — **06 दिसम्बर से 09 दिसम्बर, 2015।**

• **आयोजन स्थल** — **महादेवी कन्या पाठशाला इण्टर कालेज, देहरादून।**

• **प्रतिभागिता** — **425 छात्र एवं 65 मार्गदर्शक शिक्षक।**

विज्ञान महोत्सवः 2015 की विभिन्न गतिविधियों के विषय एवं उप विषय एवं अर्हता

1. विज्ञान प्रदर्शनीः

मुख्य विषय : 'समावेशी विकास के लिए विज्ञान एवं गणित'

(Science and Mathematics for Inclusive Development)

उप विषय :

1. स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता (Health, Nutrition and Cleanliness)
2. संसाधन प्रबन्धन (Resource Management)
3. उद्योग (Industry)
4. कृषि एवं खाद्य सुरक्षा (Agriculture and Food Safety)
5. आपदा प्रबन्धन (Disaster Management)
6. गुणवत्तापूर्ण जीवन के लिए गणित (Mathematics for a Quality Life)

अर्हताः

• जूनियर वर्ग– कक्षा 6–8 तक के अध्ययन स्तर छात्र/छात्रायें

• सीनियर वर्ग– कक्षा 9 एवं 12 में अध्ययनरत् छात्र/छात्रायें।

2. विज्ञान मेलाः

मुख्य विषय– विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अभियांत्रिकी (Science, Technology and Engineering)।

क्षेत्रः – भौतिक विज्ञान (Physics), रसायन विज्ञान (Chemistry), जीव विज्ञान (Biology), वातावरण विज्ञान (Environmental Science), पृथ्वी एवं अंतरिक्ष विज्ञान (Earth

& Space Science), कम्प्यूटर विज्ञान (Computer Science), गणित (Mathematics), इंजीनियरिंग (Engineering) एवं बायोकेमिस्ट्री (Bio-Chemistry)

अर्हता– कक्षा 8 से 12 तक में अध्ययनरत् छात्र/छात्रायें।

श्रेणी –

• व्यक्तिगत छात्र प्रोजेक्ट– एक छात्र + एक शिक्षक।

• टीम प्रोजेक्ट – दो छात्र + एक शिक्षक।

3. विज्ञान ड्रामाः

मुख्य विशय –विज्ञान और समाज (Science & Society)

उप विषय –

1. वैज्ञानिकों का जीवन और कार्य (Life and works of Scientists)

2. प्रकाश व जीवन (Light and Life)

3. मृदा संरक्षण (Save our Soil)

4. स्वच्छता और स्वास्थ्य (Cleanliness and Health)

5. विज्ञान का दैनिक जीवन में उपयोग (Science in Daily Life)

6. नव परिवर्तन करें या स्थगित हों जायें (Innovate or Perish)

अर्हता– कक्षा 6 से 10 तक में अध्ययनरत छात्र/छात्रायें

4. गतिविधिवार प्रतिभागिताः

प्रतिभागी–

विज्ञान प्रदर्शनी जूनियर	–	112
विज्ञान प्रदर्शनी सीनियर	–	137
विज्ञान मेला	–	72
विज्ञान ड्रामा	–	104

कुल प्रतिभागी — 425

मार्गदर्शक शिक्षक — 65

(ख) विज्ञान सेमिनार 2015 :

आयोजन तिथि — 25 अगस्त, 2015।

आयोजन स्थल — राजकीय बालिका इण्टर कालेज, श्रीनगर, पौड़ी।

प्रतिभागिता — 25 छात्र–छात्रायें एवं 13 मार्गदर्शक शिक्षक।

विशयः '' प्रकाश उपयोग : संभावनायें एवं चुनौतियाँ'' (Harnessing Light ; Prospects and Challenges)

विज्ञान महोत्सव–2014 की उपलब्धियाँ :

- उत्तर भारत क्षेत्र विज्ञान मेला प्रतियोगिता–2014 टीम प्रोजेक्ट श्रेणी में तृतीय स्थान।
- राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी 2015 हेतु राज्य से 2 छात्र चयनित।

(ग) राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा, राष्ट्रीय साधन–सह योग्यता छात्रवृत्ति परीक्षा, डॉ शिवानंद नौटियाल एवं राज्य योग्यता छात्रवृत्ति परीक्षाः

एस.सी.ई.आर.टी. उत्तराखण्ड द्वारा वर्ष 2015–2016 के लिए राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा, राष्ट्रीय साधन–सह योग्यता छात्रवृत्ति परीक्षा, डॉ शिवानंद नौटियाल एवं राज्य योग्यता छात्रवृत्ति का आयोजन दिनांक 08 नवम्बर (रविवार) को राज्य के 96 परीक्षा केन्द्रों पर किया गया। इस वर्ष एन.टी.एस.ई परीक्षा के लिए 7,747 छात्र पंजीकृत हुए है तथा एन.एम.एम.एस.एस., एस.एन.एस. एस.व एस.एम.एस.एस. परीक्षा के अन्तर्गत कुल 10,562 छात्र पंजीकृत हुए है। परीक्षाफल तैयार किये जाने की कार्यवाही गतिमान है। एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली द्वारा ग्रीन सिग्नल के उपरान्त 31 दिसम्बर 2015 के उपरान्त परीक्षाफल घोषित किया जायेगा।

राष्ट्रीय साधन–सह योग्यता छात्रवृत्ति से संबंधित वर्ष 2015–16 की छात्रवृत्ति अवमुक्त किये जाने के लिए वर्ष 2012, 2013, 2014 एवं 2015 के लिए छात्र/छात्राओं की सूची जनपदों को सत्यापन हेतु उपलब्ध करायी गयी हैं जो इस प्रकार है–

वर्ष	2012	2013	2014	2015
कुल छात्र संख्या	408	647	858	1048

जनपदों से प्राप्त वर्षवार सत्यापन के बाद माह दिसम्बर के अन्त तक अर्ह छात्र/छात्राओं की सूची छात्रवृत्ति अवमुक्त किये जाने हेतु मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार को प्रेषित की जायेगी।

(घ) प्रत्यक्ष लाभ हस्तान्तरण योजना (Direct Benefit Transfer Scheme) :

भारत सरकार द्वारा प्रत्यक्ष हस्तान्तरण योजना के अंतर्गत उत्तराखण्ड राज्य के 3 जनपदों बागेश्वर, टिहरी एवं चम्पावत को केन्द्र सरकार द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय साधन–सह योग्यता परीक्षा योजना एवं राष्ट्रीय स्तर पर बालिकाओं के लिए माध्यमिक शिक्षा हेतु प्रोत्साहन योजना से संबंधित धनराशि अवमुक्त किए जाने हेतु सीधे लाभार्थियों के खाते में हस्तान्तरण योजना के लिए चयनित किया गया है।

(4) क्षमता संवर्द्धनः

(I) सांस्कृतिक क्षमता अभिवर्द्धनः

सांस्कृतिक श्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र (सी.सी.आर.टी.), नई दिल्ली द्वारा आयोजित समस्त प्रशिक्षणों एवं कार्यशालाओं में राज्य के समस्त जनपदों से (प्रा0/जूनि0/मा0/प्रवक्ता स्तर) शिक्षकों को निरन्तर प्रतिभाग कराया जाता है। शिक्षकों की (2015–16) प्रतिभागिता तालिका निम्नवत् है–

5. राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान– राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के अन्तर्गत नव नियुक्त एल.टी. शिक्षकों के प्रशिक्षण हेतु 35 संदर्भदाताओं का प्रशिक्षण।

क्र0सं0	प्रशिक्षण का नाम	अवधि	प्रतिभागी	अन्य विवरण
1	अनुस्थापन पाठ्यक्रम प्रशिक्षण	21 दिवसीय	30	प्रशिक्षण में सम्मिलित समस्त राज्यों के बीच लोकगीत, संस्कृति, कला, भाषा एवं साहित्यिक ज्ञान का पारस्परिक आदान–प्रदान। प्रशिक्षण में प्राप्त शिक्षा किट का प्रयोग। प्रतिभागीगण द्वारा विद्यालय के बच्चों को राज्य की कला एवं संस्कृति से परिचित कराना।
2	प्राकृतिक/सांस्कृतिक विरासत में स्कूलों की भूमिका	12 दिवसीय	30	
3	Integrating Craft Skills in School Education	11 दिवसीय	30	
4	शिक्षा में कठपुतली कला की भूमिका	16 दिवसीय	30	

(II) राष्ट्रीय संस्थानों से वर्षभर संकाय विकास की स्थिति :

- **उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल**

वर्ष 2015–16

क्र0सं0	प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम	संस्था	प्रतिभागी
1	Direct Training Skill (DTS)	ATI नैनीताल	24
2	Design of Training (DOT)	ATI नैनीताल	05

- **क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर**

क्र0सं0	कार्यक्रम का नाम	अवधि	प्रतिभागी
1	Orientation of Key Resource Persons in Mathematics at Higher Secondary Stage	05 दिन	05
2	Capacity Building for KRP's of SC dominated areas in science at secondary level through laboratory approaches	05 दिन	20
3	Orientation of Key Resource Persons working in ST dominated areas on activity based learning in science at secondary stage.	05 दिन	10
4	Orientation of KRP's working in ST dominated areas on micro scale chemistry kit of higher secondary stage	05 दिन	10

6. शोध एवं अध्ययन– कक्षा 8 में अध्ययनरत छात्रों के भाषा एवं गणित के शैक्षिक सम्प्राप्ति स्तर के मूल्यांकन हेतु राज्य स्तरीय शैक्षिक सर्वे (SLAS) ।

7. कार्यशालाः

- नई शिक्षा नीति 2015 हेतु 15 जुलाई 2015 को एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली के सहयोग से जनपद स्तरीय विमर्श कार्यशाला का आयोजन।
- दिनाँक 14 सितम्बर 2015 को श्री राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ में माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार द्वारा नई शिक्षा नीति पर समीक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें माननीय शिक्षा मंत्री उत्तराखण्ड, महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा महोदय, निदेशक अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण सहित एस.सी.ई.आर.टी. के 2 संकाय सदस्यों ने प्रतिभाग किया।
- दिनाँक 7 अक्तूबर 2015 को सीमैट, इलाहाबाद में नई शिक्षा नीति पर क्षेत्रीय स्तर की कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें राज्य के विभिन्न स्तरों के 28 सदस्यों नें प्रतिभाग किया।
- दिनाँक 15 एवं 17 अक्तूबर 2015 को नई शिक्षा नीति पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन।
- राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा के अन्तर्गत दिनाँक 30 सितम्बर 2015 को राज्य स्तर पर डायट प्राचार्यों की कार्यशाला आयोजित की गई।
- सर्व शिक्षा अभियान के सहयोग से कक्षा 1 से 8 के सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण हेतु मुख्य संदर्भदाता तैयार किए गए।
- कक्षा 1–2 प्रारम्भिक साक्षरता, प्रारम्भिक गणित एवं स्वच्छता
- कक्षा 3–5 गणित, परिवेशीय अध्ययन एवं स्वच्छता

- कक्षा 6–8 गणित एवं स्वच्छता
- कक्षा 6–8 विज्ञान एवं स्वच्छता

- राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के अन्तर्गत नव–नियुक्त सहायक अध्यापकों के क्षमता संवर्द्धन हेतु संदर्भदाताओं की कार्यशाला।
- डायट के कार्यों में अपेक्षित सुधार हेतु प्राचार्यों एवं संकाय सदस्यों की विज़निंग कार्यशाला आयोजित की गई।
- राज्य के अप्रशिक्षित अध्यापकों को दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से इग्नू द्वारा डी.एल.एड. पाठ्यक्रम कराया जा रहा है।
- कक्षा 1 से 8 तक की निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों को समस्त छात्र–छात्राओं को उपलब्ध कराया गया।

8. विविधः

(I) राष्ट्रीय अध्यापक पुरस्कार का समन्वयनः

राजकीय प्राथमिक, माध्यमिक, संस्कृत/अरबी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की प्रतिष्ठा बढ़ाने, कार्य के प्रति अभिप्रेरित करने, शिक्षा के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान को मान्यता प्रदान करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 05 सितम्बर को शिक्षक दिवस के अवसर पर चयनित शिक्षकों को राष्ट्रपति पुरस्कार द्वारा सम्मानित किया जाता है। वर्ष 2015–16 में राष्ट्रीय अध्यापक पुरस्कार 2014 के लिए तीन प्राथमिक स्तर के अध्यापकों/प्रधानाध्यापकों, तीन माध्यमिक स्तर के अध्यापकों/प्रधानाध्यापकों एवं एक संस्कृत विद्यालय के अध्यापक को चयनित किया गया तथा 05 सितम्बर 2015 को राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत किया गया।

II) राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा अभियानः

एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली के द्वारा उत्तराखण्ड राज्य में राष्ट्रीय जनसंख्या अभियान को लागू किए जाने के लिए एस.सी.ई.आर.टी. उत्तराखण्ड में राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा सेल का गठन किया गया है। वर्ष 2015–16 के लिए एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली द्वारा राज्य के लिए इस हेतु कुल ₹ 7.10 लाख की कार्ययोजना स्वीकृत की गई है जिसके सापेक्ष ₹ 3 लाख की धनराशि अद्यतन अवमुक्त की गयी है। कार्ययोजना के अनुरूप गतिविधियाँ, रोल प्ले एवं लोकनृत्य की गतिविधियॉ पूर्ण कर ली गयी हैं।

दिनाँक 6–11–2015 एवं 09–11–2015 को विकास खण्ड स्तर पर व जनपद स्तर पर लोकनृत्य तथा रोल प्ले का आयोजन किया गया।

दिनाँक 27–11–2015 को राज्य स्तर पर जनपदों के चयनित प्रतिभागियों द्वारा लोकनृत्य तथा रोल प्ले का आयोजन किया गया।

राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी टीम राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाग करेगी।

(III) राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षणः

सत्र 2015–16 में एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा कक्षा 8 व कक्षा 3 के बच्चों की सम्प्राप्ति स्तर का मापन प्रस्तावित है।

(IV) राज्य स्तरीय उपलब्धि सर्वेक्षणः

भारत सरकार द्वारा राज्य स्तर पर प्रारम्भिक स्तर पर विद्यार्थियों की उपलब्धि स्तर का आकलन करने हेतु राज्य स्तरीय उपलब्धि सर्वेक्षण समस्त जिलों में कराए जाने की प्रक्रिया आरम्भ की जा चुकी है। इसके अंतर्गत कक्षा– 8 का चयन किया गया है।

(V) इन्सपायर अवार्ड :

6–14 वय वर्ग तक के राज्य के समस्त छात्र–छात्राओं को विज्ञान के प्रति रूचि उत्पन्न करने के लिए उनको अवार्ड के रूप में ₹ 5,000/– उपलब्ध कराकर विज्ञान की सोच को प्रोत्साहित करने के लिए गाइड अध्यापकों के माध्यम से प्रोजेक्ट/मॉडल तैयार कर तीन स्तर पर प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है। जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र/छात्राओं के मॉडल/प्रोजेक्ट को DST भारत सरकार द्वारा पेटेण्ट कराया जाता है।

- वर्ष 2015–16 में 175 छात्र/छात्राओं को इन्सपायर अवार्ड की धनराशि ₹ 5000.00 प्रति छात्र की दर से उपलब्ध कराई गई। जिसमें से प्रत्येक जनपद में माह सितम्बर 2015 में DLEPC का आयोजन सम्पन्न कराया गया।
- 27 एवं 28 नवम्बर 2015 को श्रीमती पुष्पा बडेडा सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज, ढालवाला, ऋषिकेश, टिहरी गढ़वाल में राज्य स्तर पर आयोजित SLEPC में जनपद स्तर के 35 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। जिनमें से 05 छात्र/छात्राओं का चयन राष्ट्रीय प्रदर्शनी के लिये किया गया।
- 5 छात्र/छात्राओं द्वारा प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 07 से 09 दिसम्बर 2015 तक आयोजित राष्ट्रीय प्रदर्शनी में प्रतिभाग किया।

- वर्ष 2015–16 में 4830 छात्र–छात्राओं ने ऑनलाइन नामांकन कराये गये, जिसमें से 1940 छात्र–छात्राओं को अवार्ड के वारन्ट प्राप्त कराये गये हैं।
- इन्सपायर अवार्ड के अन्तर्गत छात्र–छात्राओं के अधिक से अधिक नामांकन सुनिश्चित करने के लिए जनपदों एवं विद्यालयों को सीधे E-MIAS के द्वारा DST भारत सरकार से जोड़ा गया व नामांकन की प्रक्रिया जारी है।

(VI) प्राथमिक विद्यालयों हेतु बी.एड. एवं टी.ई.टी. उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का सहायक अध्यापक के पद पर चयन कार्य।

(VII) सर्व शिक्षा के अन्तर्गत सृजित बी.आर.पी. एवं सी.आर.पी. के पद हेतु चयन कार्य।

(VIII) राज्य के 9 डायटों के माध्यम से 578 प्रशिक्षुओं को द्विवर्षीय डी.एल.एड. प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

(IX) एस.सी.ई.आर.टी. के संकाय सदस्यों द्वारा विद्यालयों का अनुश्रवण/अनुसमर्थन।

(X) राज्य स्तर पर विकसित 'सीखने के संकेतांक' (Learning Indicators) /LINDICS) का एन0सी0ई0आर0टी0, नई दिल्ली, के विशेषज्ञों द्वारा रिव्यू प्रस्तावित है।

(XI) प्रारम्भिक स्तर पर शिक्षकों का स्वमूल्यांकन प्रपत्र (Teaching performance Indicators / PINDICS) के उपकरणों का निर्माण कर शिक्षकों से प्रपत्र भरवाया गया।

(XII) PINDICS का एन0सी0ई0आर0टी0, नई दिल्ली, के विशेषज्ञों द्वारा रिव्यू प्रस्तावित है।